FACULTY OF STUDIES
BSF Academy, Tekanpur
Phone 07524-274100, 200, 300/ Extn 321

PRESS NOTE

संख्या–1052/प्रेसनोट/अ0सं0/2015/ *25 नवम्बर 2015*

34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगितएवं माउनटेंड पुलिस ड्यूटी –2015 का भव्य समापन समारोह ।

टेकनपुर। 25 नवम्बर 2015। 34वीं अखिल भारतीय पुलिस घुड़सवारी प्रतियोगिता एवं घुड़सवारी पुलिस ड्यूटी मीट– 2015 का आयोजन दिनांक 15 से 25 नवम्बर 2015 तक सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के अश्व स्कूल में किया गया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न राज्यों एवं केन्द्रीय शसस्त्र पुलिस बल की 18 टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान 293 अश्व एवं 214 प्रतिभागियों ने अपने करतब का दिखाया। 25 नवम्बर 2015 को इस प्रतियोगिता का समापन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश सरकार में वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार मंत्री श्रीमति यसोधरा राज सिन्धिया मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थी।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में दिनाँक 25 नवम्बर 2015 को 34वें अखिल भारतीय घुड़सवारी पुलिस एवं घुड़सवारी पुलिस ड्यूटी मीट 2015 का समापन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि महोदया को, सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर के क्वॉर्टर गार्ड प्रांगण में स्पेशल गार्ड द्वारा सलामी दी गई। प्रतियोगिता के समापन समारोह में श्रीमति यसोधरा राजे सिंधिया के आलावा श्री एस एस तोमर, एडीजी/निदेशक अकादमी, श्री पी के परद्वाज, आल इन्डिया स्पोर्ट कन्ट्रोल बोर्ड के सचित, डॉ0 एस कृष्णमूर्ती आईपीएस (सेवानिवृत), श्री बी के डे, आईपीएस (सेवानिवृत), श्री एस रामाकृष्णनन, आईपीएस (सेवानिवृत) एवं सीमा सुरक्षा बल के वरीष्ठ अधिकारीगण, स्थानीय पत्रकार एवं अकादमी परिवार के अन्य कार्मिक उपस्थित थे।

आज समापन समारोह के दिन आयोजित प्रतियोगिता में टन्ट पेगिंग फाईनल प्रतियोगिता, 06 बार जम्पिंग प्रतियोगिता व घुड़सवारों का मार्च पास्ट किया गया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि के हाथों से विजयी प्रतिभागियों को मैडल व ट्रॉफियां वितरित की गई। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहाः–

<u>टेन्ट पेगिंग फाईनल प्रतियोगिता</u>

1. हरियाणा पुलिस अकादमी ने 137 अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।
2. आईटीबीपी टीम ने 134.5 अंक अर्जित कर द्वतीय स्थान प्राप्त किया।
3. सीसुबल की ए टीम ने 123 अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।
4. दिल्ली पुलिस की टीम 117 अंक अर्जित कर चतुर्थ स्थान पर रही।

<u>06 बार जम्पिंग प्रतियोगिता</u>

1. इस प्रतियोगिता में दिल्ली पुलिस के राईडर राधेश्याम, ने घोड़े अकाश के साथ

प्रथम स्थान प्राप्त किया।

2. एनपीए हैदराबाद टीम के राईडर गजेन्दर ने अपने घोड़े अकाश के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
3. एनपीए हैदराबाद टीम के राईडर पी सुबाराव ने अपने घोड़े अशोक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया एवं
4. सीसुबल टीम के राईडर सुमेर सिंह ने अपने घोड़े सलोनी के साथ चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

इस प्रतियोगिता में सीसुबल टीम ने निम्नलिखित ट्रॉफी जीतकर सीसुबल को गौरवान्वित किया है।

1. वेस्ट राईडर (मेवाड़ ट्राफी) – निरीक्षक सुमेर सिंह
2. बेस्ट होर्स (चेतक ट्राफी) – सलोनी
3. ओवर ऑल चैम्पियनसिप (छत्रपति ट्राफी)

श्रीमति यसोधरा राजे सिन्धिया ने अपने संबोधन में महोदया को मुख्य अतिथि के तौर पर अकादमी में बुलाने हेतु अभार व्यक्त किया। महोदया ने कहा कि वे बचपन से ही अकादमी टेकनपुर में आते रही हैं। महोदय ने घुड़सवरी करना अकादमी में ही सीखा है। महोदय ने कहा कि घुड़सवारी एक महत्वपूर्ण कला है इससे शाहस और धैर मजूबूत हाता है। घुड़सवारी में ड्रेसर प्रतियोगिता से घोड़ा चालें व डिसिप्लिन सीखता है। अंत में महादया ने सभी अधिकारीगण, जूरी मेम्मबर, प्रतिभागियों व उपस्थित सभी दर्शकों को अखिल भारतीय घुड़सवारी प्रतियोगिता के सफल आयोजन पर बधाई दी।

अकादमी टेकनपुर मे आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भारत के घुड़सवारी कीडा को अंतराष्ट्रीय स्तर पर एक नया मुकाम हासिल करना था। इस प्रतियोगिता में सीसुबल, आईटीबीपी, असम राईफल, बिहार पुलिस, छत्तीसगढ़ पुलिस, दिल्ली पुलिस, गुजरात पुलिस, हरियाणा पुलिस, बंगाल पुलिस, म0प्र0 पुलिस, एन0पी0ए0 हैदराबाद, पंजाब पुलिस, राजस्थान पुलिस, यूपी0 पुलिस के घुड़सवारी टीमों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के दौरान घुड़सवारी टीम द्वारा अपने–अपने उच्च कौशल्य का प्रदर्शन किया गया। प्रतियोगिता के सफल समापन पर अकादमी के निदेशक श्री एस एस तोमर ने प्रतिभागियों के नियमानुसार पालन, ईमानदारी तथा खेल भावना के उच्च प्रदर्शन पर सभी को धन्यवाद दिया और अपने अच्छे प्रदर्शन से अपने राज्य और देश का नाम यों ही रोशन करते रहने के लिए प्रेरित किया।

ज्ञात हो कि सीमा सुरक्षा बल अकादमी की स्थापना 'ट्रेनिंग सेंटर एण्ड स्कूल' नाम से 01 फरवरी 1966 को हुई थी और 21 नवंबर 1966 को इसका नाम बदलकर 'सीमा सुरक्षा बल अकादमी' रखा गया। ब्रिगेडियर बी सी पाण्डे, पद्मश्री अकादमी के प्रथम अकादमी प्रमुख थे। सीमा सुरक्षा बल के संस्थापक एवं प्रथम महानिदेशक श्री क एफ रूस्तमजी, आई पी (इंडियन पुलिस कैडर) के प्रयासों से भारत सरकार से यह क्षेत्र सीमा सुरक्षा बल को प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए चुना गया था।

इस प्रशिक्षण संस्थान में सीमा सुरक्षा बल के कार्मिकों एवं अन्य केंद्रीय पुलिस संगठनों के कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। सीमा सुरक्षा बल अकादमी की अभिकल्पना सीमाओं की सुरक्षा, प्रबंधन, नक्सलवाद/आतंकवाद विरोधी कार्यवाहियों तथा मानव संसाधन विकास में सर्वोत्तम प्रशिक्षण संस्थान बनाना है तथा अकादमी का उद्देश्य

आधुनिक तकनीकों का उपयोग करते हुए युद्ध एवं शांति दोनों ही परिस्थितियों में एक अच्छे लीडर एवं प्रभावशाली कमांडर के रूप में कुशलतापूर्वक कार्य करने हेतु अधिकारी एवं अधीनस्थ अधिकारियों को प्रशिक्षित करना है। अकादमी में इसके अलावा बल के कार्मिकों के लिए घुड़सवारी, मोटर चालन, आपदा प्रबंधन, श्वान प्रशिक्षण कोर्स व भारत के राज्य तथा पड़ोसी देशों के पुलिस बलों के लिए भी विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। राज्य पुलिस बलों द्वारा भीड़ को नियंत्रण करने हेतु अश्रु गैस निर्माण इकाई भी यहां सुचारू रूप से संचालित है।

कमाण्डेन्ट
अध्ययन संकाय

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियो के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।

नोट – प्रकाशन करते समय कृपया अधिकारियो के नाम, पद व रैंक का विशेष ध्यान रखा जाये।